

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -3

ईश्वर जो करता है ,
अच्छा ही करता है

CHANGING YOUR TOMORROW

३. निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

क) **प्रश्न-** ईश्वर की माया, कहीं धूप कहीं छाया । इस लोकोक्ति का अर्थ सरल भाषा में लिखिए ।

उत्तर- ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया का अर्थ है भाग्य की विचित्रता होना । भगवान की माया विचित्र है । संसार में कोई सुखी है तो कोई दुःखी, कोई धनी है तो कोई निर्धन । ईश्वर की माया समझ में नहीं आती । संसार में कोई सुंदर है तो कोई कुरूप, कोई स्वस्थ हैं तो कोई रुग्ण, कोई करोड़पति हैं तो कोई अकिंचन । इसलिए कहा गया है कि ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया ।

ख) **प्रश्न-** निखिल को ईश्वर की रचना दोष हीन कैब और क्या लगी ?

उत्तर- निखिल ईश्वर की रचना को दोषपूर्ण मानता था, लेकिन जब वह आम के पेड़ के नीचे आराम करने के लिए बैठा उस समय उसके गंजे सिर पर एक आम गिरा , तब उसे अहसास हुआ कि ईश्वर की रचना दोष हीन है, क्योंकि यदि आम के बदले वहाँ तरबूज होता तो उसे काफी चोट लगती । इसलिए अंत में निखिल ईश्वर की रचना को दोष हीन माना ।

भाषा ज्ञान-

१. पाठ में ' मित्र ' शब्द का प्रयोग किया गया है।' मित्र 'के लिए सखा, दोस्त, आदि शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है।ऐसे शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए-

क) ईश्वर-
ग) वृक्ष-
ड) पीड़ा-

ख) त्रुटि-
घ) सूर्य-
च) सत्य-

ईश्वर- प्रभु, परमेश्वर, भगवान, परमात्मा

त्रुटि- गलती, कमी, भूल, अभाव, चूक

सूर्य - प्रभाकर, दिनकर, सूरज, रवि, भास्कर, सविता,
आदित्य, भानु

वृक्ष - पादप, विटप , तरू , द्रुम , पेड़, अगम

सत्य- सच, सही, सचाई, उचित, ठीक

पीड़ा - दुख, वेदना, शोक, संकट,
व्यथा, क्लेश, संताप, कष्ट, यातना, खेद

२. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव को संज्ञा कहते हैं;
जैसे- निखिल, गौरव आदि।

पाठ में से कुछ संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए-

फल,
तरबूज,
आश्चर्य,
नगर,
अज्ञानता

आम,
व्याकुल,
वृक्ष,
पीड़ा,

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP